



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 567]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, अक्टूबर 7, 2010/आश्विन 15, 1932

No. 567]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 7, 2010/ASVINA 15, 1932

वित्त मंत्रालय

( समझौता आयोग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2010

सा.का.नि. 820(अ).—आयकर समझौता आयोग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 245च की उप-धारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा आयकर समझौता आयोग (प्रक्रिया) नियम, 1997 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता है :—

1. (1) यह नियम आयकर समझौता आयोग (प्रक्रिया) संशोधित नियम, 2010 कहलाएगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. आयकर समझौता आयोग, (प्रक्रिया) नियम, 1997 (इसमें इसके बाद 'उक्त नियम' से निर्दिष्ट) नियम 2 में,

(i) खंड (vi) के स्थान पर निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(vi) आयोग के अधिकारी से आयोग का सचिव, आयकर निदेशक (अन्वेषण), अतिरिक्त आयकर निदेशक (अन्वेषण), संयुक्त आयकर निदेशक (अन्वेषण), उप आयकर निदेशक (अन्वेषण) तथा सहायक आयकर निदेशक (अन्वेषण) अभिप्रेत हैं।

(ii) खण्ड (vii) में प्रशासनिक अधिकारी शब्द के बाद एवं अधीक्षक शब्द रखे जाएंगे।

3. उक्त नियमों के नियम 5 में,—

(i) उप-नियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखे जाएंगे :—

“(1) समझौता आवेदन आवेदक द्वारा स्वयं अथवा उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सचिव को आयोग के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में या उस न्यायपीठ के सचिव को जिसकी अधिकारिता के भीतर उसका केस आता है या ऐसे किसी अधिकारी को जिसे सचिव द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो, प्रस्तुत किया जाएगा अथवा सचिव या ऐसे अधिकारी को संबोधित करके निर्बाधित डाक द्वारा भेजा जाएगा।”

(ii) उप-नियम (2) के बाद निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा :—

“(3) आवेदन के साथ, आवेदक द्वारा भुगतान किए गए कर एवं ब्याज के साक्ष्य स्वरूप चालान अथवा अन्य दस्तावेज की स्वअभिप्रमाणित प्रति का होना आवश्यक है।”

4. उक्त नियमों के नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किए जाएंगे :—

“6. धारा 245(घ) की उप धारा 2(ख) के अधीन आयुक्त की रिपोर्ट :—आयुक्त धारा 245(घ) की उप-धारा 2(ख) में निर्दिष्ट रिपोर्ट की सात प्रतियां आयोग को एवं एक प्रति आवेदक को एक ही समय में देगा।”

5. नियम 7 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किए जाएंगे :—

“7 पेपर बुक आदि की तैयारी :—(1) यदि आवेदक अधिनियम की धारा 245(घ) की उप-धारा 2(ख) के अधीन सुनवाई के दौरान किन्हीं दस्तावेजों, विवरणियों या अन्य कागजों को निर्दिष्ट करना चाहता है या उन पर निर्भर करना चाहता है तो धारा 245(घ) की उप-धारा 2(ग) के अधीन आदेश की प्राप्ति के तीस दिनों के भीतर आवेदन अविधिमान्य घोषित किया जाना था परन्तु ऐसा घोषित नहीं

किया गया, के तीस दिनों के भीतर एक पेपर बुक जिसमें ऐसे कागज सम्यक् रूप से अनुक्रमणित हों और पृष्ठ संख्यांकित हों, की सात प्रतियां प्रस्तुत करेगा।”

परन्तु समुचित मामलों में आयोग विलम्ब के लिए माफी दे सकेगा और पेपर-बुक स्वीकार कर सकेगा।

(2) यदि आयुक्त अधिनियम की धारा 245(घ) की उप-धारा (4) के अंतर्गत सुनवाई के दौरान किन्ही दस्तावेजों, विवरणियों या अन्य कागजों को निर्दिष्ट करना चाहता है या उन पर निर्भर करना चाहता है तो वह नियम 9 में निर्दिष्ट अपनी रिपोर्ट के साथ, एक पेपर बुक जिसमें से कागजात सम्यक् रूप से अनुक्रमणित एवं संख्यांकित हों, की सात प्रतियां प्रस्तुत करेगा।

(3) “उप-नियम (1) तथा (2) में निर्दिष्ट कागज सुपाद्य रूप में लिखे गए या दोहरे स्पेस में टाइप किए गए या मुद्रित होने चाहिए एवं प्रत्येक कागज उसे फाइल करने वाले पक्षकार या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सत्यप्रतिनिधि के रूप में प्रमाणित किया जाना चाहिए और इस प्रकार अनुक्रमणित होना चाहिए कि वह पृष्ठ क्रमांक के साथ दस्तावेजों एवं उस प्राधिकारी जिसके समक्ष उसे फाइल किया गया था का संक्षिप्त विवरण देता हो।”

6. उक्त नियमों के नियम 9 के स्थान पर निम्नलिखित नियमों को प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

9. “आयुक्त की अतिरिक्त रिपोर्ट :—(1) जब आयोग द्वारा धारा 245(घ) की उप-धारा 2(ग) के अधीन आवेदन को अविधिमान्य घोषित नहीं किया गया हो अथवा जहां धारा 245(घ) की उप-धारा 2(घ) के अधीन आवेदन पर आगे की कार्यवाही की अनुमति प्रदान की गई हो तो उपबंध एवं उससे संलग्न विवरणियों एवं अन्य दस्तावेजों में समाविष्ट सूचना, आयोग द्वारा आयुक्त को इस निर्देश के साथ अग्रेषित की जाएगी कि आयुक्त सात प्रतियों में एक अतिरिक्त रिपोर्ट, उक्त उपबंध की प्राप्ति के पैंतालिस दिनों या ऐसी बढ़ाई गई अवधि, जिसकी अनुमति आयुक्त के अनुरोध पर आयोग द्वारा दी गई हो, के भीतर प्रस्तुत करेगा।”

(2) यदि आयुक्त पैंतालिस दिनों की विनिर्दिष्ट अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि, जिसकी अनुमति आयोग प्रदान करे, की समाप्ति पर या उसके पहले, अपनी रिपोर्ट भेजने में असफल रहता है तो आयोग ऐसी रिपोर्ट के बिना कंस की सुनवाई की कार्यवाही कर सकेगा।

(3) नियम 9 के उप-नियम (1) के अधीन आयुक्त की रिपोर्ट की एक प्रति आयोग द्वारा आवेदक को भेजी जाएगी।

9. ‘क’ नियम 9 के अधीन आयुक्त की रिपोर्ट पर आवेदन की टिप्पणी :—(1) आवेदक नियम 9 के अधीन प्राप्त की गई रिपोर्ट पर टिप्पणी उक्त रिपोर्ट की उसके द्वारा प्राप्ति के पंद्रह दिनों के भीतर अथवा आवेदक के लिखित अनुरोध पर ऐसी बढ़ाई गई अवधि, जिसकी अनुमति आयोग प्रदान करे, के भीतर प्रस्तुत करेगा।

(2) आवेदक की टिप्पणी के साथ टिप्पणी के समर्थन में एक पेपर बुक संलग्न होना चाहिए जिसका स्वरूप विनिर्देशन नियम 7 में निर्दिष्ट है।

(3) “यदि आवेदक निर्दिष्ट पंद्रह दिनों की अवधि या उप-नियम (1) के अधीन बढ़ाई गई अवधि के भीतर टिप्पणी प्रस्तुत करने में असफल रहता है तो आयोग बिना ऐसी टिप्पणी के कंस में आगे की कार्यवाही करेगा।”

7. उक्त नियमों के नियम 12 के पश्चात् निम्नलिखित नियम रखे जाएंगे :—

12अ. दो सदस्यीय पीठ का गठन :—धारा 245 ‘ख’ ‘क’ की उप-धारा (5) में निर्दिष्ट परिस्थितियों के अधीन यदि कोई एक सदस्य (चाहे ऐसा व्यक्ति पीठासीन अधिकारी हो या पीठ का कोई अन्य सदस्य) पीठ से अपने कृत्य का निर्वहन करने में असमर्थ है तो शेष सदस्य यथास्थिति अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के अनुमोदन से पीठ के रूप में कृत्य करेंगे।

[फा. सं. 1/107/टेक/2009/मिस/स.आ.]

डॉ. धीरज भटनागर, सचिव, आयकर समझौता आयोग  
पाद टिप्पणी :—सैद्धान्तिक नियम, भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 36(अ) के द्वारा 4 जुलाई, 1997 को प्रकाशित किए गए थे एवं अंतिम संशोधन सा.का.नि. 36(अ) के द्वारा दिनांक 12-10-1999 को किया गया था।

## MINISTRY OF FINANCE

(Settlement Commission)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 6th October, 2010

G.S. R. 820(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 245F of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Income-tax Settlement Commission hereby makes the following further amendments in the Income-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1997, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax Settlement Commission (Procedure) Amendment Rules, 2010.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Settlement Commission (Procedure) Rules, 1997 (hereinafter referred to as the ‘said rules’), in rule 2,—

(i) for clause (vi), the following clause shall be substituted, namely :—

“(vi) “Officer of the Commission” means Secretary, Director of Income-tax (Investigation), Additional Director of Income-tax (Investigation),



Joint Director of Income-tax (Investigation), Deputy Director of Income-tax (Investigation) and Assistant Director of Income-tax (Investigation).”;

- (ii) in clause (vii), after the words ‘administrative officer’, the words ‘and a superintendent’ shall be inserted.

3. In rule 5 of the said rules,—

- (i) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) A settlement application shall be made by the applicant in person or his authorised representative, to the Secretary at the headquarters of the Commission at New Delhi or of the Bench within whose jurisdiction his case falls or to an officer authorised in this behalf by the Secretary, or shall be sent by registered post addressed to the Secretary, or to such officer.”

- (ii) after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(3) The application shall be accompanied by a copy of self (-) attested challans or other documents as evidence in respect of payment of tax and interest by the applicant.

4. For rule 6 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“**6. Report of the Commissioner under sub-section (2B) of Section 245D.**—The Commissioner shall furnish seven copies of report referred to in sub-section (2B) of Section 245D, to the Commission and one copy to the applicant simultaneously.

5. For rule 7, the following rule shall be substituted, namely :—

“**7. Preparation of paper books, etc.**—(1) If the applicant proposed to refer to or rely upon any documents or statements or other papers, during the course of hearing under sub-section (4) of Section 245D of the Act, he may submit seven copies of a paper books containing such papers duly indexed and numbered, within thirty days of the receipt of an order under sub-section (2C) of Section 245D, or within thirty days of the date by which the application was required to be declared invalid but has not been so declared :

Provided that the Commission may, in appropriate cases, condone the delay and admit the paper book.

- (2) If the Commissioner proposes to refer to or rely upon any documents or statements or other papers during the course of hearing under sub-section (4) of Section 245D of the Act, he may submit seven copies of a paper book containing

such papers duly indexed and numbered along with his report referred to in rule 9.”

(3) The papers referred to in sub-rules (1) and (2) must be legibly written or type-written in double space or printed and each paper shall be certified as a true copy by the party filing the same, or his authorised representative and indexed in such a manner as to give a brief description of the documents, with page numbers and the authority before whom it was filed.”

6. For rule 9 of the said rules, the following rules shall be substituted, namely :—

**9. “Commissioner’s further report.**—(1) Where an application has not been declared invalid under sub-section (2C) of Section 245D or an application has been allowed to be further proceeded with under sub-section (2D) of Section 245D, the information contained in the annexure and in the statements and other documents accompanying such annexure shall be sent to the Commissioner by the Commission with the direction that the Commissioner shall furnish a further report in seven copies within forty-five days of the receipt of said annexure or within such extended period as may be allowed by the Commission on a request made by the Commissioner.

(2) If the Commissioner fails to furnish his report on or before the expiry of the specified period of forty-five days or within further extended period as the Commission may allow, as the case may be, the Commission may proceed to hear the case without such report.

(3) A copy of the report of the Commissioner under sub-rule (1) of rule 9 shall be sent to the applicant by the Commission.

**9A. Applicant’s Comments on Commissioner’s report under rule 9.**—(1) The applicant may furnish comments on the Commissioner’s report received under rule 9 within fifteen days of the receipt of the copy of the said report by him or within such extended period as may be allowed by the Commission on a written request made by the applicant.

(2) The comments of the applicant shall be accompanied by a paper book in support thereof, having the specifications referred to in rule 7.

(3) If the applicant fails to furnish comments on or before the expiry of the specified period of fifteen days or within further extended period under sub-rule (1), the Commission may proceed further with the case without such comments.”

7. After rule 12 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

**“12A. Constitution of Two-member bench.—**

Where one of the member (whether such person be the Presiding Officer or other member of the bench) is unable to discharge his function on the bench under the circumstances referred to in sub-section (5) of Section 245BA, the remaining members with the approval of the Chairman or

the Vice-Chairman, as the case may be, may function as a bench.”

[F. No. 1/107/Tech/2009/Misc/SC]

Dr. DHEERAJ BHATNAGAR, Secy. Income-tax  
Settlement Commission

**Foot Note :—**The principal rules were published in the Gazette of India *vide* G.S.R. 36(E), dated 4th July, 1997 and last amended *vide* G.S.R. 36(E), dated 12th October, 1999.